दिनांक 24 जुलाई, 1985

सं० ग्रो वि० पानी 64-85 31088. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं एग्रीकलचरल डिस्क कारपोरेशन, करनाल, के श्रमिक श्री देस राज तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रोडोगिक विवाद है ;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, झब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (1) के खूण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3—(44)84—3—श्रम, दिनांक 18 अप्रजल, 1984, द्वारा र्उन्तत श्रिधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उन्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :——

क्या श्री वेस राज की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो.वि./रोहतक/72-85/31094.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं महेश्वरी कम्पनी मार्फत एच ॰ एन ॰ जी ॰ एण्ड इण्डस्ट्रीज लि॰, बहादुरगढ (रोहतक) के श्रमिक श्री जसबीर सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

भ्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवादको न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं : —

इसलिये, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिघिनियम, 1947 की घारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं 9641-1-श्रम/78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रिधिसूचना घारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय। रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है;

क्या श्री जसबीर सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. भो.वि./भ्रम्बाला/182-83/31100.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै. 1. परिबहन आयुंक्त, हरियाणा चण्डीगढ़ 2. जनरल मैंनेजर, हरियाणा रोड़वेज, कैथल डिपू, कैथल के श्रीमक श्री जसवन्त सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे दिखा मामला न्याय-निर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री जसवन्त सिंह की सेवाधों का समाधान न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है।

जे. पी. रतन,

उप सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।